भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 666
गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

सम्मेलन का क्षेत्रीय हवाई संपर्क पर प्रभाव

666. श्री विजय बघेलः
श्री अनुराग शर्माः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्रीमती कृति देवी देबबर्मनः
श्री तापिर गावः
श्री महेश कश्यपः
श्री मनोज तिवारीः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री खगेन मुर्मुः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नवीनतम एशिया-प्रशांत सम्मेलन से देश की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार लाभ पहुंचने और देश के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक अग्रणी विमानन केन्द्र के रूप में स्थापित होने की संभावना है;

(ख) क्या उक्त सम्मेलन के फलस्वरूप एशिया-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय हवाई संपर्क और व्यापारिक साझेदारी पर प्रभाव पड़ने की संभावना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): नागर विमानन पर दूसरा एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 11-12 सितंबर 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन की दिल्ली घोषणा के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था और विमानन क्षेत्र को कई तरीकों से महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है:

- घोषणा में क्षेत्रीय सहयोग पर जोर दिया गया है, जो विमानन अवसंरचना को और अधिक कुशलता से विकसित करने के लिए एशिया-प्रशांत देशों के बीच बेहतर समन्वय को सक्षम करेगा।

- यह सुरक्षा, विमान दिक्चालन और विमानन सुरक्षा के लिए आईसीएओ की वैश्विक योजनाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करता है, जो भारत को अपने विमानन सुरक्षा मानकों और सुरक्षा उपायों को संवर्धित करने में सहायता करेगा।

- क्षेत्रीय विमानन सहयोग में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करके, सम्मेलन के परिणाम से अधिक क्षेत्रीय संपर्क प्राप्त करने और भारतीय विमानन उद्योग में निवेश आकर्षित

करने में मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत की स्थिति इस क्षेत्र में दुनिया में एक अग्रणी विमानन केंद्र के रूप में मजबूत होगी।

(ख) और (ग) : जी हां, सम्मेलन के परिणामों से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के भीतर क्षेत्रीय हवाई संपर्क और व्यापार साझेदारी पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। दिल्ली घोषणा में यथा-उल्लिखित विशिष्ट परिणामों में निम्नलिखित शामिल हैं:

-नागर विमानन पर एशिया और प्रशांत मंत्रिस्तरीय घोषणा (बीजिंग घोषणा) की पुनः पुष्टि

-वैश्विक विमानन संरक्षा योजना (जीएएसपी), वैश्विक विमानन सुरक्षा योजना (जीएएसईपी), और वैश्विक विमान दिक्चालन योजना (जीएएनपी) सहित आईसीएओ वैश्विक योजनाओं को लागू करने के लिए एपीएसी क्षेत्र के सदस्यों की प्रतिबद्धता।

-वर्तमान स्थिति में सहायता और भविष्य की हवाई यात्रा मांगों को पूरा करने के लिए विमान दिक्चालन सेवाओं के आधुनिकीकरण में संसाधनों का निवेश करने के लिए समझौता।

-राष्ट्र सुरक्षा निगरानी प्रणाली के महत्वपूर्ण तत्वों के प्रभावी कार्यान्वयन में सुधार के लिए आईसीएओ और क्षेत्रीय प्लेटफार्मों के माध्यम से सहयोगात्मक कार्य।

-प्रभावी संरक्षा और सुरक्षा निगरानी के लिए सतत वित्तपोषण हेतु प्रतिबद्धता।

- फोकस वाले क्षेत्रों में विमानन संरक्षा, विमान दिक्चालन सेवाएं, विमानन सुरक्षा, सुविधा, विमानन में लैंगिक समानता, विमानन पर्यावरण सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई कानून संधियों का अनुसमर्थन शामिल है।

****